

## अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान हाईकोर्ट में 7 नये न्यायाधीशों की नियुक्ति
2.	'नेशनल आरोग्य इंपैक्ट- नारी' अवॉर्ड 2025
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स (राजस्थान) 1. सुरेश कुमार अग्रवाल
4.	सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना
5.	स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025
6.	बेहदेनखलम उत्सव - मेघालय
7.	बिल्स ऑफ लैंडिंग विधेयक 2025
8.	भारत का पहला डिजिटल नोमैड गाँव
9.	प्रधानमंत्री विकास (PM VIKAS) योजना
10.	आर्थुकल पुलिस स्टेशन
11.	QS बेस्ट स्टूडेंट सिटी रैंकिंग 2025
12.	मिग-21 की सेवानिवृत्ति
13.	सेनेगल - ट्रेकोमा मुक्त घोषित
14.	मलेरिया वैक्सीन : 'एडफाल्सीवैक्स' (AdFalciVax)
15.	केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी. एस. अच्युतानंदन का निधन
16.	अंतरराष्ट्रीय चंद्रमा दिवस

# Daily Current Affairs

Date : 23 July, 2025



17.

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

1. न्यूमबेओ सेफ्टी इंडेक्स 2025



-: 2 :-

## राजस्थान परिदृश्य

### राजस्थान हाईकोर्ट में 7 नये न्यायाधीशों की नियुक्ति

#### → चर्चा में क्यों?

- 22 जुलाई, 2025 को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर राजस्थान हाईकोर्ट में एक महिला न्यायाधीश सहित 7 न्यायाधीशों की नियुक्ति की।

#### → मुख्य बिंदु :

- इनमें से छह जजों की नियुक्ति वकील कोटे से और एक महिला जज की नियुक्ति न्यायिक अधिकारी कोटे में की गई है।
- **शपथ ग्रहण** : 23 जुलाई, 2025
- इन नियुक्तियों के साथ ही राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 36 से बढ़कर 43 हो गई है तथा राजस्थान हाईकोर्ट के इतिहास में पहली बार न्यायाधीशों की संख्या 40 से अधिक हुई है।
- **नव नियुक्त न्यायाधीश** : संदीप तनेजा, बिपिन गुप्ता, बलजिंदर सिंह, संजीत पुरोहित, रवि चिरानिया, अनुरूप सिंघी, संगीता शर्मा।
- इनमें से संदीप तनेजा को हाईकोर्ट का स्थाई जज और 6 को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है।
  - तनेजा वर्तमान में राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता हैं।

## ❖ फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

उच्च न्यायालय (संवैधानिक प्रावधान)

◆ भाग VI, अनुच्छेद - 214 से 231 तक।

राजस्थान उच्च न्यायालय के स्थान से संबंधित समिति (27 मार्च, 1949 को प्रस्तुत रिपोर्ट)

1. बी.आर. पटेल समिति।

2. एच.पी. सिन्हा समिति।

3. टी.सी. पुरी समिति।

राजस्थान उच्च न्यायालय अध्यादेश 1949

◆ राजस्थान राज्य के लिए एकल उच्च न्यायालय का प्रावधान किया गया।

◆ राजप्रमुख सवाई मान सिंह द्वितीय ने 25 अगस्त, 1949 को उच्च न्यायालय की स्थापना के लिए अधिसूचना जारी की।

◆ उद्घाटन - 29 अगस्त, 1949

◆ राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश : न्यायमूर्ति के. के. वर्मा (29.08.1949 -24.01.1950)

◆ राजस्थान उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश : न्यायमूर्ति के. आर. श्रीराम।

◆ राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल सीटों की संख्या - 50

◆ प्रधान पीठ : जोधपुर।

◆ अतिरिक्त पीठ : जयपुर।

◆ सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्य न्यायाधीश - न्यायमूर्ति कैलाश नाथ वांचू।

◆ सबसे छोटे कार्यकाल वाले मुख्य न्यायाधीश - न्यायमूर्ति सतीश कुमार मित्तल।

◆ प्रथम कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश - न्यायमूर्ति जे.एम. पांचाल।

◆ वे मुख्य न्यायाधीश जो सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे - न्यायमूर्ति कैलाश नाथ वांचू, न्यायमूर्ति जे.एस. वर्मा।

## 'नेशनल आरोग्य इंपैक्ट- नारी' अवॉर्ड 2025

### → चर्चा में क्यों?

- 19 जुलाई, 2025 को मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में विशेष कैंपेन 'अभया' के तहत जयपुर की डॉ. अनुपमा को 'नेशनल आरोग्य इंपैक्ट-नारी' अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया।



### → मुख्य बिंदु :

- यह अवार्ड उन्हें समुदाय में महिलाओं की ओरल हेल्थ और हाइजीन से संबंधित किए गए उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता अभियानों के लिए प्रदान किया गया।
- इन्होंने इंडियन डेंटल एसोसिएशन (IDA) की ओर से महिलाओं की ओरल हेल्थ को लेकर एक विशेष कैंपेन 'अभया' शुरू किया।
- इन्हें 'एंबेसडर ऑफ द ईयर' भी घोषित किया गया है।
- पहली बार राष्ट्रीय मंच पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन की ओर से इस अवार्ड की शुरुआत की गई है। जिसका उद्देश्य महिलाओं में दंत स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता को नई दिशा देना है।

## न्यूज़ इन शॉर्ट्स (राजस्थान)

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p><b>सुरेश कुमार अग्रवाल</b></p>  <ul style="list-style-type: none"><li>◆ हाल ही में, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सुरेश कुमार अग्रवाल को महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया।</li><li>◆ कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक के लिए की है।</li><li>◆ इससे पूर्व सुरेश कुमार अग्रवाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात में प्रोफेसर पद पर कार्यरत थे।</li></ul>

## राष्ट्रीय परिदृश्य

### सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना

#### ➔ चर्चा में क्यों?

- 22 जुलाई, 2025 को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सहकारिता मंत्री ने 'सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना' के संबंध में जानकारी प्रदान की।



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय  
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

सहकारिता से समृद्धि तक  
विश्व की सबसे बड़ी योजना  
**"अन्न भंडारण योजना"**

- पूरी फसल PACS को MSP पर बेच सकेंगे
- उपज को मजबूरी में घाटे पर बेचने से बच सकेंगे
- फसल के अगले चक्र के लिए ब्रिज फाइनेंस का लाभ उठा सकेंगे
- PACS द्वारा किसान निर्मित गोदाम में उपज का भंडारण कर सकेंगे
- खाद्यान्न की बर्बादी कम होगी और देश में खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी



## ➔ मुख्य बिंदु :

- 31 मई, 2023 को केंद्र सरकार ने 'सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना' को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था।
- इस पायलट परियोजना के अंतर्गत 11 राज्यों के 11 PACS में गोदामों का निर्माण पूरा हो चुका है।
- इस योजना में सरकार की विभिन्न मौजूदा योजनाओं; जैसे कृषि अवसंरचना कोष (AIF), कृषि विपणन अवसंरचना योजना (AMI), कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन (SMAM), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (PMFME) आदि के अभिसरण के माध्यम से प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के स्तर पर गोदामों, कस्टम हायरिंग केंद्रों, प्रसंस्करण इकाइयों, उचित मूल्य की दुकानों आदि सहित विभिन्न कृषि अवसंरचनाओं का निर्माण करना शामिल है।
- इस परियोजना के अंतर्गत दिसंबर, 2026 तक चयनित 500 से अधिक PACS में गोदाम निर्माण का कार्य पूर्ण किया जाएगा।

## अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

### प्रत्येक पंचायत/गांव में सहकारी समितियां :

- **शुरुआत :** सरकार ने 15 फरवरी, 2023 को देश में सहकारिता आंदोलन को मज़बूत करने हेतु नई बहुउद्देशीय पैक्स/डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना की योजना को स्वीकृति प्रदान की गई थी।

# Daily Current Affairs

Date : 23 July, 2025



- **लक्ष्य :** 5 वर्षों की अवधि में देश की सभी पंचायतों और गांवों को कवर करना।
- इस योजना के तहत राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB), राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (NFDB) और राज्य सरकारों के सहयोग से डेयरी अवसंरचना विकास निधि (DIDF) की स्थापना की गई।
- 19 सितंबर, 2024 को सहकारिता मंत्रालय ने योजना के प्रभावी और समय पर कार्यान्वयन हेतु एक मानक संचालन प्रक्रिया (मार्गदर्शिका) शुरू की गई थी।

UTKARSH

CIVIL  
SERVICES

## स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025

### ➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राज्यसभा में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS), जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत संचालित देशव्यापी स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (SSG) 2025 के संदर्भ में जानकारी प्रदान की।



### ➔ मुख्य बिंदु :

- स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (2025) एक स्वतंत्र सर्वेक्षण एजेंसी के माध्यम से किया जा रहा है ताकि मात्रात्मक और गुणात्मक स्वच्छता (स्वच्छता) मापदंडों के आधार पर सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और जिलों की राष्ट्रीय रैंकिंग प्रदान की जा सके।

### उद्देश्य :

- SBM-G चरण II के तहत ODF प्लस मॉडल गाँवों को बनाए रखना और उनका मूल्यांकन करना।
- ग्रामीण स्वच्छता संकेतकों पर राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और जिलों की राष्ट्रीय रैंकिंग प्रदान करना।
- जन भागीदारी और समुदाय-नेतृत्व वाली स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देना।
- संरचित निगरानी के माध्यम से डेटा-संचालित शासन को प्रोत्साहित करना।

## स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (SSG) 2025

- यह जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS) द्वारा किया गया एक राष्ट्रव्यापी ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण है।
- यह भारत का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण है।
- पहला स्वच्छता सर्वेक्षण वर्ष 2016 में आयोजित किया गया था, जिसमें 73 शहरों के मूल्यांकन में मैसूरु को देश में पहला स्थान प्रदान किया गया था।

## स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [SBM -G]

- **शुरुआत** : 2 अक्टूबर, 2014
- **उद्देश्य** : सभी ग्रामीण घरों में शौचालय की सुविधा प्रदान करके ग्रामीण भारत में खुले में शौच को समाप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।
- 2 अक्टूबर 2019 तक, मिशन ने 100 प्रतिशत स्वच्छता कवरेज हासिल कर लि गई थी।
- **SBM -G का चरण- II** : 1 अप्रैल, 2020 को शुरू किया गया था, जिसमें ODF स्थिति को बनाए रखने और गाँवों को 2025-26 तक ODF प्लस (मॉडल) स्थिति में बदलने के लिए ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

## बेहदेनखलम उत्सव - मेघालय

➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, मेघालय के जोवाई कस्बे में 'बेहदेनखलम उत्सव' मनाया गया।



➔ मुख्य बिंदु :

- यह उत्सव पारंपरिक उत्साह और सामाजिक संदेशों के साथ मनाया गया।
- यह उत्सव हर वर्ष जुलाई माह में आयोजित होता है।
- यह 'पनार जनजाति' की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह उत्सव जयंतिया पहाड़ियों में बसे पनार समुदाय द्वारा मनाया जाता है।
- उद्देश्य - अच्छी फसल की प्रार्थना और बीमारियों-बुराईयों को दूर भगाना।
- 'बेहदेनखलम' का शाब्दिक अर्थ - 'प्लेग को दूर भगाना'।
- यह उत्सव समाज से नकारात्मक शक्तियों, बीमारियों और बुराई को दूर करने की भावना से जुड़ा है।
- यह बुवाई के मौसम के बाद मनाया जाता है, जो कृषि, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता से जुड़ा होता है।

## बिल्स ऑफ लैडिंग विधेयक 2025

### ➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, संसद ने 'बिल्स ऑफ लैडिंग विधेयक 2025' पारित किया है।



### ➔ मुख्य बिंदु :

- इस विधेयक का उद्देश्य शिपिंग दस्तावेज़ों के लिए कानूनी ढांचे को अद्यतन और सरल बनाना है।
- यह नया विधेयक पुराने 'इंडियन बिल्स ऑफ लैडिंग एक्ट, 1856' के स्थान पर लाया गया है।
- 'बिल ऑफ लैडिंग' एक महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है, जिसे मालवाहक कंपनी (Freight Carrier) द्वारा भेजने वाले (Shipper) को जारी किया जाता है।
- इसमें माल की जानकारी होती है जैसे- वस्तु का प्रकार, मात्रा, स्थिति और गंतव्य स्थान।

## भारत का पहला डिजिटल नोमैड गाँव

### → चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सिक्किम के पाक्योंग ज़िले का याकतेन गाँव आधिकारिक रूप से भारत का पहला डिजिटल नोमैड गाँव घोषित किया गया।



### → मुख्य बिंदु :

- यह घोषणा 'नोमैड सिक्किम' पहल के अंतर्गत की गई है।

#### याकतेन नोमैड गाँव:

- यह पहल हिमालयी राज्य में स्थायी पर्यटन, दूरस्थ कार्य और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है।
- यह सिक्किम सरकार की 'एक परिवार, एक उद्यमी' पहल के अनुरूप है, जो स्थानीय युवाओं और नवाचार को प्रोत्साहित करती है।
- इसका उद्देश्य डिजिटल पेशेवरों के लिए राज्य के रणनीतिक स्थानों को वर्ष भर कार्य योग्य केंद्रों में बदलना है।
- यह होमस्टे मालिकों के लिए ऑफ-सीजन के दौरान छह महीने तक स्थायी आय सुनिश्चित करने का प्रयास है।
- गाँव में उच्च गति वाई-फाई, पर्यावरण अनुकूल प्रथाएँ, और शून्य अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली उपलब्ध कराई गई है।

## प्रधानमंत्री विकास (PM VIKAS) योजना

### → चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय (MoMA) ने PM VIKAS योजना के तहत कौशल प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता विकास परियोजना शुरू की हैं।



### → मुख्य बिंदु :

- इसके अंतर्गत 150 युवाओं को 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' और 300 महिलाओं को नेतृत्व व उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- प्रशिक्षण के दौरान उम्मीदवारों को वृत्ति (stipend) और रोज़गार/स्वरोज़गार के अवसर दिए जाएंगे।

## प्रधानमंत्री-विकास (PM-VIKAS) योजना:

- यह MoMA की एक कौशल विकास पहल है जो अल्पसंख्यक और कारीगर समुदायों के लिए डिज़ाइन की गई है।
- योजना का लक्ष्य है कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता और नेतृत्व विकास को बढ़ावा देना।
- यह स्किल इंडिया मिशन से जुड़ी हुई है और Skill India Portal (SIP) से एकीकृत है।
- यह योजना MoMA की सभी पूर्ववर्ती योजनाओं को एक मंच पर लाती है।
- लाभार्थी भारत के 6 अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों से होंगे: मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी।
- योजना में क्रेडिट लिंकिंग की सुविधा भी है, जिसमें लाभार्थियों को NMDFC के ऋण योजनाओं से जोड़ा जाता है।

## योजना का क्रियान्वयन:

- योजना को अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों (MCA) में लागू किया जाएगा।
- इसका उद्देश्य कला व शिल्प समूहों को चिह्नित कर उन्हें सहायता प्रदान करना है।
- यह अन्य मंत्रालयों जैसे पर्यटन, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज, शिक्षा और कौशल विकास मंत्रालयों के साथ समन्वय से क्रियान्वित की जाएगी।

## आर्थिकल पुलिस स्टेशन

### → चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केरल के अलप्पुझा (अलेप्पी) जिले का आर्थिकल पुलिस स्टेशन भारत का पहला थाना बन गया है, जिसे IS/ISO 9001:2015 क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (QMS) प्रमाणन मिला।



### → मुख्य बिंदु :

- यह प्रमाणन 10 जुलाई, 2025 को भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) द्वारा प्रदान किया गया।
- यह सम्मान पुलिसिंग और सार्वजनिक सुरक्षा में उत्कृष्ट सेवा गुणवत्ता के लिए दिया गया।
- BIS द्वारा आयोजित विशेष समारोह में यह प्रमाण पत्र आर्थिकल थाना को दिया गया।
- मान्यता का क्षेत्र: अपराध रोकथाम, जांच, यातायात नियंत्रण, जन शिकायत निवारण और कानून व्यवस्था का उत्कृष्ट संचालन।

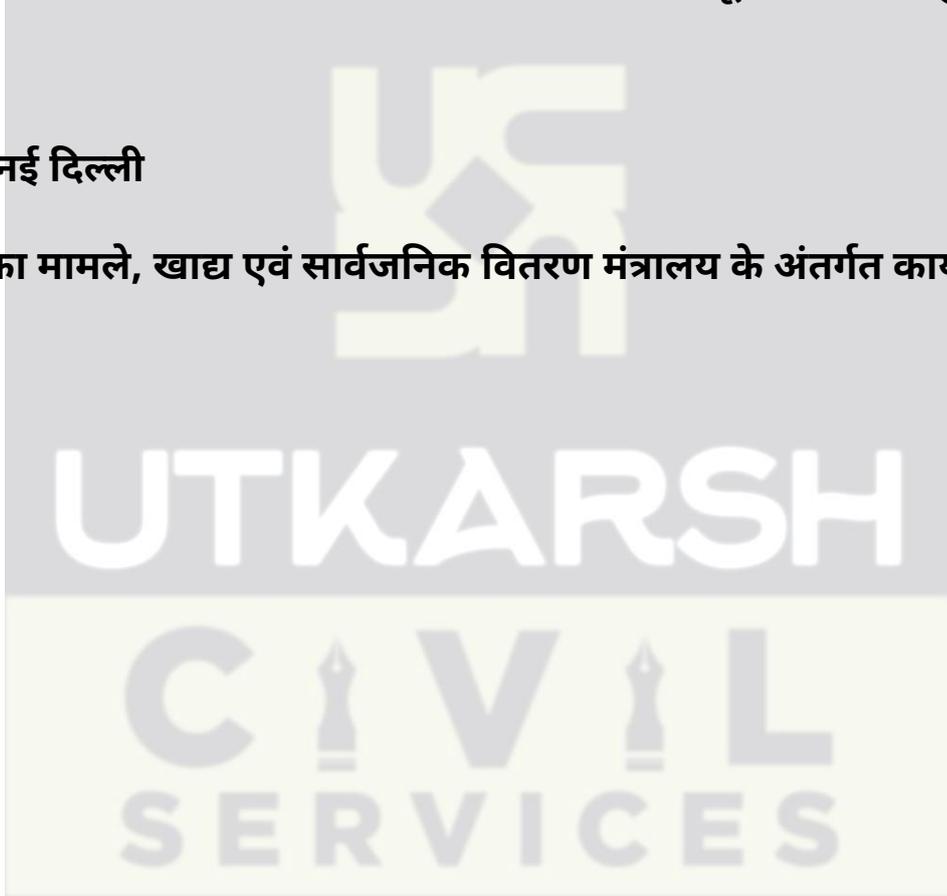
# Daily Current Affairs

Date : 23 July, 2025



## भारतीय मानक ब्यूरो (BIS):

- **स्थापना:** वर्ष 1947
- **उद्देश्य:** भारत में मानकीकरण गतिविधियों के सामंजस्यपूर्ण विकास हेतु।
- वर्ष 1986 में अधिनियम के माध्यम से इसे 'भारतीय मानक ब्यूरो' के रूप में पुनर्गठित किया गया।
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- यह उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।



## अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

### QS बेस्ट स्टूडेंट सिटी रैंकिंग 2025

#### ➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, जारी QS बेस्ट स्टूडेंट सिटीज़ 2025 की नई रैंकिंग में भारतीय शहरों; दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई को स्थान मिला।



#### ➔ मुख्य बिंदु :

- यह रैंकिंग छात्रों के लिए पढ़ाई, खर्च, जीवनस्तर और करियर हेतु विश्व के 150 शहरों का आकलन करती है।
- विश्व के टॉप-3 शहर :

रैंक	शहर
1st	सियोल
2nd	टोक्यो
3rd	लंदन

- भारतीय शहरों में मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई ने जगह बनाई, इनमें दिल्ली को अफॉर्डेबिलिटी इंडिकेटर के तहत नंबर-1 तथा स्टूडेंट्स के रहने के लिहाज से, विश्व का सबसे किफायती छात्र शहर घोषित किया गया है, जबकि मुंबई, भारत का सबसे अच्छी स्टूडेंट सिटी बनी है।
- इस वर्ष टॉप-15 किफायती शहरों में मुंबई और बेंगलुरु शामिल है।

## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

### मिग-21 की सेवानिवृत्ति

#### → चर्चा में क्यों?

- भारतीय वायु सेना द्वारा 19 सितंबर, 2025 को चंडीगढ़ एयरबेस पर मिग-21 को औपचारिक रूप से भारतीय वायु सेना से सेवानिवृत्त कर दिया जायेगा।



#### → मुख्य बिंदु :

- वर्तमान में मिग-21 बाइसन के दो स्क्वाड्रन सक्रिय हैं, तथा यह सभी राजस्थान की सीमा पर जैसलमेर, बीकानेर के नाल (3 स्क्वाड्रन 'कोबरा') और सूरतगढ़ एयरबेस (23 स्क्वाड्रन 'पैंथर्स') पर तैनात हैं।
- 20 अप्रैल, 1963 को एयरफोर्स में शामिल होने बाद मिग-21 ने तीन युद्धों (1965, 1971 व 1999) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई लेकिन 1990 के बाद के दशकों में लगातार हवाई हादसे के कारण इन्हें सेवानिवृत्त कर दिया जाएगा।

-: 21 :-

## ❖ फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :

### मिग-21 :

- ◆ **उपनाम :** 'उड़ता ताबूत' व 'विडो मेकर'।
- ◆ **डिजाइन :** वर्ष 1959 में सोवियत रूस के निकोयान-गुरेविच डिजाइन ब्यूरो द्वारा।
- ◆ एक हल्का सिंगल पायलट, सुपरसोनिक जेट लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान है।
- ◆ यह विमान 18 हजार मीटर तक की ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है।
- ◆ एअर टू एअर मिसाइलों और बम को ले जाने में सक्षम है।
- ◆ इसमें नेविगेशन सिस्टम के साथ जीपीएस, शार्प रडार और आत्मरक्षा प्रणाली विद्यमान हैं।
- ◆ मिग-21 लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना की सेवा में पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान था।

CIVIL  
SERVICES

## सेनेगल - ट्रेकोमा मुक्त घोषित

### ➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा अफ्रीकी देश सेनेगल को ट्रेकोमा से मुक्त घोषित किया गया।



### ➔ मुख्य बिंदु :

- सेनेगल, ट्रेकोमा से मुक्त होने वाला विश्व का 25वां और अफ्रीका का 9वां देश है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 08 अक्टूबर, 2024 को भारत को भी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में ट्रेकोमा से मुक्त घोषित किया था।
- हालांकि, यह बीमारी अभी भी 39 देशों में एक चुनौती बनी हुई है, जो विश्व स्तर पर लगभग 1.9 मिलियन लोगों को प्रभावित करती है और कई मामलों में अंधापन का कारण बनती है।
- WHO के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 150 मिलियन लोग ट्रेकोमा से प्रभावित हैं। उनमें से 6 मिलियन दृष्टिहीन हैं या नेत्रहीन जटिलताओं के जोखिम में हैं।

### ❖ फैक्ट्स फॉर प्रिलिम्स:

#### ट्रेकोमा (Trachoma) क्या है?

- ◆ ट्रेकोमा एक नेत्र संबंधी बीमारी है जो 'क्लैमाइडिया ट्रेकोमैटिस' नामक जीवाणु के संक्रमण के कारण होती है।
- ◆ **संक्रमण का प्राथमिक स्रोत** - संक्रमित व्यक्तियों का नेत्र स्राव।
- ◆ इसका संक्रामक चरण आमतौर पर बच्चों को सर्वाधिक प्रभावित करता है।
- ◆ 1950-60 के दशक के दौरान ट्रेकोमा भारत में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या थी।

- ◆ इस समयावधि के दौरान गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जैसे क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए थे, जहाँ 50 प्रतिशत से भी अधिक जनसंख्या इससे प्रभावित हुई थी।
- ◆ वर्ष 1971 तक ट्रेकोमा देश में सभी प्रकार के अंधेपन के मामलों के 5 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार था।

### ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिये भारत सरकार की प्रमुख पहलें:

- ◆ ट्रेकोमा स्वास्थ्य संकट से निपटने की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार करते हुए भारत ने राष्ट्रीय दृष्टिहीनता और दृश्य हानि नियंत्रण कार्यक्रम के तहत कई पहलें लागू की है।
- ◆ **राष्ट्रीय ट्रेकोमा नियंत्रण कार्यक्रम:** वर्ष 1963 में भारत सरकार ने WHO और यूनिसेफ के सहयोग से राष्ट्रीय ट्रेकोमा नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया। इस पहल ने व्यापक ट्रेकोमा प्रबंधन के लिए आधार तैयार किया।



## मलेरिया वैक्सीन : 'एडफाल्सीवैक्स' (AdFalciVax)

### ➔ चर्चा में क्यों?

- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा 'एडफाल्सीवैक्स' (AdFalciVax) नामक स्वदेशी बहुचरणीय मलेरिया वैक्सीन विकसित की जा रही है।



### ➔ मुख्य बिंदु :

- **निर्माण :** भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR), जैव प्रौद्योगिकी विभाग-राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (DBT-NII) के साथ साझेदारी में विकसित की जा रही हैं।
- **सहयोग :** ICMR का क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, भुवनेश्वर और राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान।
- इस वैक्सीन का उद्देश्य मानव संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ परजीवी के वेक्टर-जनित सामुदायिक संचरण को कम करना है।
- एडफाल्सीवैक्स पहला स्वदेशी पुनः संयोजक काइमेरिक मलेरिया वैक्सीन है जिसे विशेष रूप से प्लाज्मोडियम फाल्सीफेरम, जो मलेरिया के सबसे घातक रूप के लिए ज़िम्मेदार परजीवी है, के दो महत्वपूर्ण चरणों को लक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

## AdFalcivax वैक्सीन की विशेषताएँ:

- प्लाज्मोडियम फाल्सीफेरम को दो चरणों में लक्षित करेगी - एरिथ्रोसाइटिक (यकृत) चरण और संचरण (सेक्सुअल) चरण।
- **रिकॉम्बिनेंट कैमेरिक वैक्सीन** : वह वैक्सीन, जो परजीवी के जीवन चक्र के विविध चरणों से एंटीजन को एक एकल इम्यूनोजन में संयोजित करती है।
- इसे कमरे के तापमान पर 9 महीने तक संरक्षित किया जा सकता है।

## अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु :

### मलेरिया :

- **कारण** : प्लाज्मोडियम परजीवी।
- यह एक असंक्रामक रोग है।
- **वाहक** : संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर।

## प्रमुख व्यक्तित्व

### केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी. एस. अच्युतानंदन का निधन

#### → चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता वी.एस. अच्युतानंदन का 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।



#### → मुख्य बिंदु :

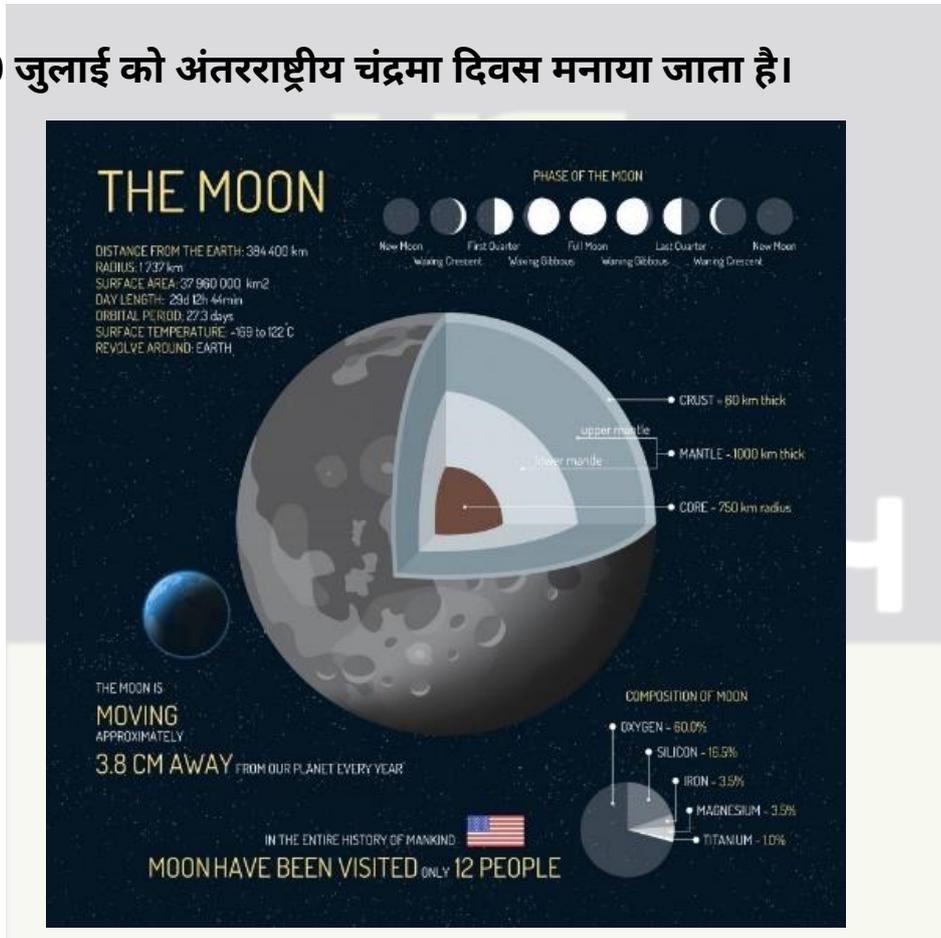
- उन्होंने वर्ष 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा दी।
- दशकों तक उन्होंने राज्य की राजनीति को दिशा देने में अहम भूमिका निभाई।
- वेलिक्काकाथु शंकरन अच्युतानंदन का जन्म वर्ष 1923 में केरल के आलप्पुझा में हुआ था।
- उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत ट्रेड यूनियन गतिविधियों से हुई।
- जल्दी ही वे केरल के कम्युनिस्ट आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल हो गए।

## महत्त्वपूर्ण दिवस

### अंतरराष्ट्रीय चंद्रमा दिवस

#### ➔ चर्चा में क्यों?

- प्रति वर्ष 20 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय चंद्रमा दिवस मनाया जाता है।



#### ➔ मुख्य बिंदु :

- यह वर्ष 1969 के अपोलो 11 मिशन द्वारा चंद्रमा पर मानव के पहले कदम की ऐतिहासिक घटना की याद में मनाया जाता है।
- अंतरिक्ष में वैश्विक सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से, बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग समिति (COPUOS) की सिफारिश पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2021 में इस दिवस को आधिकारिक मान्यता दी।

## अपोलो 11 मिशन:

- अपोलो 11 को 16 जुलाई, 1969 को नासा द्वारा लॉन्च किया गया था।
- यह चंद्रमा पर उतरने और सुरक्षित लौटने वाला पहला मानवयुक्त मिशन था।
- 20 जुलाई, 1969 को नील आर्मस्ट्रांग और बज़ एल्ड्रिन चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले मानव बने।
- अपोलो कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 6 सफल चंद्र लैंडिंग मिशन हुए: अपोलो 11, 12, 14, 15, 16 और 17

## भारत का चंद्र मिशन:

- भारत ने वर्ष 2008 में चंद्रयान-1 से चंद्र मिशनों की शुरुआत की, जिसने चंद्रमा पर पानी की खोज की।
- चंद्रयान-2 (वर्ष 2019) की लैंडिंग असफल रही, लेकिन ऑर्बिटर आज भी सक्रिय है।
- चंद्रयान-3 (वर्ष 2023) ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की।
- इससे भारत चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा और दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना।

## आगामी मिशन:

- चंद्रयान-4 (वर्ष 2027) मिशन का उद्देश्य चंद्रमा से नमूने (Sample) एकत्रित करना है।
- चंद्रयान-5 (LUPEX) भारत-जापान (JAXA) संयुक्त मिशन है।
- इसका उद्देश्य चंद्रमा पर पानी और बर्फ का अध्ययन करना है।
- इसे वर्ष 2027-28 में लॉन्च करने की योजना है।

## न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p><b>न्यूमबेओ सेफ्टी इंडेक्स 2025</b></p> <ul style="list-style-type: none"><li>◆ यूरोपीय देश अंडोरा को दुनिया का सबसे सुरक्षित देश घोषित किया गया है। यह फ्रांस और स्पेन के बीच पिरिनीज पर्वत में स्थित है (सेफ्टी स्कोर-84.7)</li><li>◆ इस इंडेक्स में अपराध दर, सुरक्षा को लेकर धारणा और कानून-व्यवस्था में लोगों के विश्वास जैसे कारकों के आधार पर देशों का मूल्यांकन किया जाता है।</li><li>◆ 'न्यूमबेओ सेफ्टी इंडेक्स 2025' की सूची में चीन एशिया का सबसे सुरक्षित देश (सेफ्टी स्कोर-76.0) है।</li><li>◆ भारत ने इस रैंकिंग में कई विकसित देशों को पीछे छोड़ते हुए 147 देशों में से 66वां स्थान हासिल किया है (सेफ्टी स्कोर-55.7)।</li><li>◆ भारत के पड़ोसी देशों में श्रीलंका 59वें, पाकिस्तान 65वें और बांग्लादेश 126वें स्थान पर रहे।</li></ul>